

This question paper contains 2 printed pages]

JO—79—2023

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (First Semester) EXAMINATION

NOVEMBER/DECEMBER, 2023

(CBCS/New Pattern)

HINDI

Paper III

(हिंदी साहित्य का इतिहास : भाग-1)

(Thursday, 7-12-2023)

Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.

Time—Three Hours

Maximum Marks—75

N.B. :- (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. हिंदी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन एवं नामकरण का सविस्तार विवेचन कीजिए। 20

अथवा

रासो साहित्य की प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए।

2. भक्ति आंदोलन पर निबंध लिखिए। 20

अथवा

कृष्ण भक्ति काव्यधारा का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

3. रीतिकालीन राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5
- (i) हिंदी साहित्येतिहास लेखन में रामचंद्र शुक्ल का योगदान
- (ii) सिद्ध साहित्य
- (iii) सूफी कवि जायसी
- (iv) कवि बिहारी।
5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5
- (i) हिंदी साहित्य के उत्तर मध्यकाल को 'रीतिकाल' की संज्ञा किसने दी है ?
- (ii) 'श्रावकाचार' के कवि कौन हैं ?
- (iii) 'रामचंद्रिका' किसकी रचना है ?
- (iv) रीतिकालीन कवियों को मुख्यतः कितनी श्रेणियों में विभक्त किया जाता है ?
- (v) जायसी किस काव्य-धारा के प्रमुख कवि हैं ?
- (आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5
- (i) 'मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ नार्दन हिन्दुस्तान' के लेखक हैं।
- (ii) सिद्धों की संख्या बताई जाती है।
- (iii) सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग काव्यधारा में अधिकता से हुआ है।
- (iv) पुष्टिमार्ग का प्रवर्तन ने किया है।
- (v) घनानंद रीतिकालीन काव्यधारा के प्रसिद्ध कवि हैं।